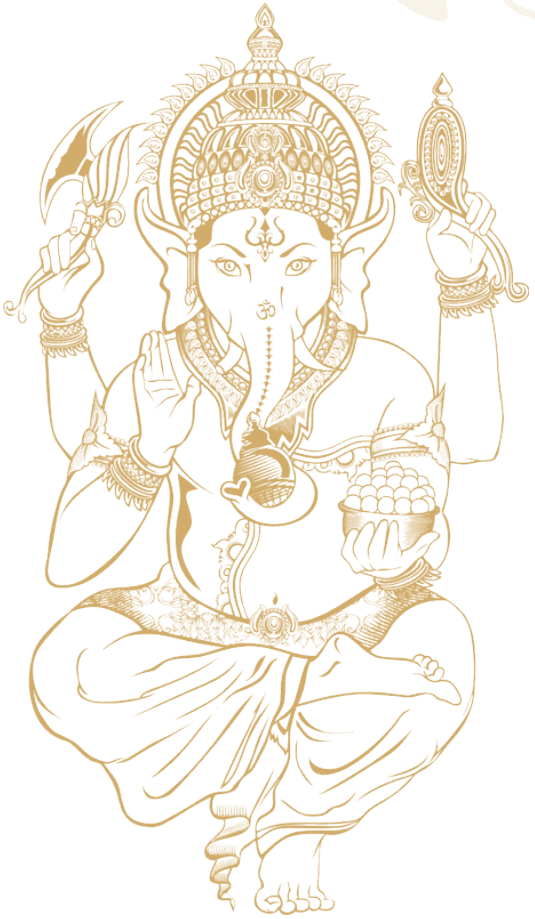

Chandra Shekhar Pandey

21 Jul 1954

11:47 AM

Deoria

Model: web-freekundliweb

Order No: 121255902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/07/1954**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:47:00 घंटे**
इष्ट	16:22:42 घटी
स्थान	**Deoria**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:31:00 उत्तर
रेखांश	83:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:52:12 घंटे
वेलान्तर	-00:06:15 घंटे
साम्पातिक काल	07:46:07 घंटे
सूर्योदय	05:13:55 घंटे
सूर्यास्त	18:48:02 घंटे
दिनमान	13:34:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	04:43:32 कर्क
लग्न के अंश	00:26:20 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	अतिगण्ड
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झूलेलाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	00:26:20	319:05:56	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
सूर्य			कर्क	04:43:32	00:57:16	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मीन	11:34:38	14:08:30	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
मंगल	व		धनु	02:51:16	00:06:58	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			मिथु	16:47:21	00:22:19	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मिथु	19:46:40	00:13:21	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	15:48:51	01:08:15	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
शनि			तुला	09:35:27	00:01:26	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	उच्च राशि
राहु	व		धनु	21:28:23	00:00:52	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	21:28:23	00:00:52	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	नीच राशि
हर्ष			कर्क	00:25:30	00:03:39	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	---
नेप			तुला	00:07:36	00:00:31	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
प्लूटो			सिंह	00:35:14	00:01:45	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	---
दशम भाव			कर्क	01:23:07	--	पुनर्वसु	--	7	चंद्र	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:13:38

लग्न-चलित

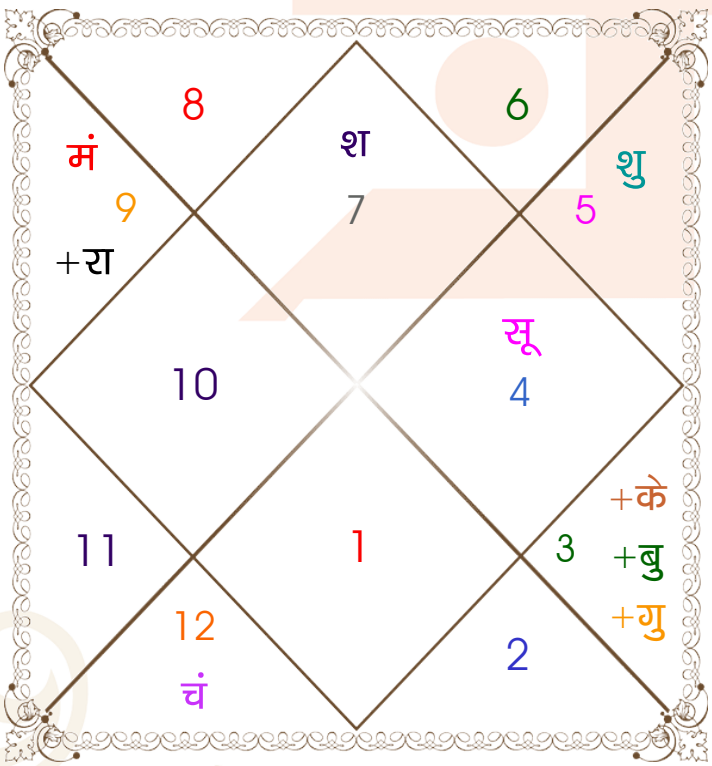

चन्द्र कुंडली

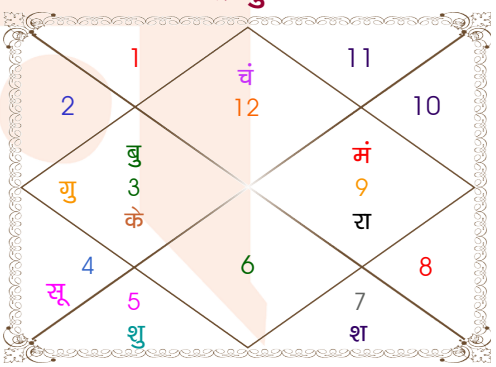

नवमांश कुंडली

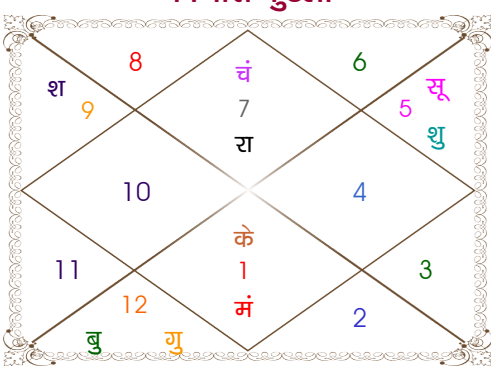

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 7 वर्ष 3 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
21/07/1954		21/10/1961		21/10/1978		21/10/1985		21/10/2005	
21/10/1961		21/10/1978		21/10/1985		21/10/2005		21/10/2011	
	00/00/0000	बुध	19/03/1964	केतु	19/03/1979	शुक्र	19/02/1989	सूर्य	08/02/2006
	00/00/0000	केतु	16/03/1965	शुक्र	18/05/1980	सूर्य	20/02/1990	चंद्र	09/08/2006
	00/00/0000	शुक्र	15/01/1968	सूर्य	23/09/1980	चंद्र	21/10/1991	मंगल	15/12/2006
	00/00/0000	सूर्य	20/11/1968	चंद्र	24/04/1981	मंगल	21/12/1992	राहु	09/11/2007
	21/07/1954	चंद्र	22/04/1970	मंगल	21/09/1981	राहु	21/12/1995	गुरु	27/08/2008
चंद्र	25/04/1955	मंगल	19/04/1971	राहु	09/10/1982	गुरु	21/08/1998	शनि	09/08/2009
मंगल	03/06/1956	राहु	05/11/1973	गुरु	15/09/1983	शनि	21/10/2001	बुध	15/06/2010
राहु	10/04/1959	गुरु	11/02/1976	शनि	24/10/1984	बुध	21/08/2004	केतु	21/10/2010
गुरु	21/10/1961	शनि	21/10/1978	बुध	21/10/1985	केतु	21/10/2005	शुक्र	21/10/2011

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
21/10/2011		21/10/2021		21/10/2028		21/10/2046		21/10/2062	
21/10/2021		21/10/2028		21/10/2046		21/10/2062		00/00/0000	
चंद्र	21/08/2012	मंगल	19/03/2022	राहु	04/07/2031	गुरु	08/12/2048	शनि	24/10/2065
मंगल	22/03/2013	राहु	07/04/2023	गुरु	26/11/2033	शनि	22/06/2051	बुध	03/07/2068
राहु	21/09/2014	गुरु	13/03/2024	शनि	02/10/2036	बुध	27/09/2053	केतु	12/08/2069
गुरु	21/01/2016	शनि	21/04/2025	बुध	22/04/2039	केतु	03/09/2054	शुक्र	12/10/2072
शनि	21/08/2017	बुध	19/04/2026	केतु	09/05/2040	शुक्र	04/05/2057	सूर्य	24/09/2073
बुध	21/01/2019	केतु	15/09/2026	शुक्र	10/05/2043	सूर्य	20/02/2058	चंद्र	21/07/2074
केतु	22/08/2019	शुक्र	15/11/2027	सूर्य	03/04/2044	चंद्र	22/06/2059		00/00/0000
शुक्र	21/04/2021	सूर्य	22/03/2028	चंद्र	03/10/2045	मंगल	28/05/2060		00/00/0000
सूर्य	21/10/2021	चंद्र	21/10/2028	मंगल	21/10/2046	राहु	21/10/2062		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 7 वर्ष 2 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में उच्चाभिलाषी वर्गानुसार जन्म लग्न तुला के उदय काल हुआ था। तुला नवमांश एवं तुला द्रेष्काण के उदय कालीन प्रभाव वर्गोत्तम दशा में अनेकानेक शुभ संकेतों का सृजन कर रहा है। फलस्वरूप आप आरामदायक, उच्च आनन्द प्रदायक जीवन का प्रसन्नता युक्त सुखपूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

यह सुनिश्चित है कि आप अपनी अभिरूचि के अनुसार अपनी जीवन संगिनी अर्थात् अपनी पत्नी का चयन करेंगे। आप कामुक प्राणी है। इस प्रभाव से आप अपना अधिक समय प्रेम-प्रसंग के चिंतन तथा प्रेम संबंध स्थापित करने में व्यतीत करेंगे। आप उच्च स्तर के भावुक प्राणी है। आप अपनी संगिनी को हार्दिक प्यार करते हो तथा अनुग्रहपूर्वक वासनात्मक प्रवृत्ति से व्यवहार करते हों। आप पूर्ण रूपेण अपनी संगिनी के प्रति समर्पित प्राणी हैं। यदि आपका संगिनी आपकी अभिरूचि के अनुरूप अथवा आशा के अनुकूल आचरण नहीं करती है तो दोनों के समक्ष संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। जब आप भी अपनी संगिनी को कुछ उपहार नहीं देते हो लेकिन सामंजस्य स्थापित करने के प्रति कार्यरत हो जाते हैं। आप अपने स्वाभावानुकूल उस व्यक्ति के साथ तारतम्य स्थापित कर सकेंगे, जिनकी राशि मिथुन हो अथवा कुंभ राशि में जन्म हुआ हो। आप यह निश्चित मान कर चले कि आपका मेल मीन मकर एवं कर्क राशि अर्थात् जलीय गुणयुक्त प्राणी से असंभव है।

आपका रंग रूप उत्तम एवं पूर्ण विकसित शरीर होगा। आप पूर्ण युवा शक्ति संपन्न होंगे। परिणामस्वरूप आपके मित्र संबंधित एवं व्यवसायिक मित्रों के मध्य प्रख्यात होंगे। आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप अपने व्यक्तित्व का प्रयोग कर अपनी अच्छी पहचान जन सामान्य की दृष्टि में बनाकर, लाभ प्राप्ति के क्षेत्र में उच्च स्तर प्राप्त करेंगे।

फलस्वरूप आप थोक धन की आय करेंगे तथा बहुतायत में खर्च भी करेंगे। आप यदा कदा बेतुकी बात करके आनन्द प्राप्त करेंगे। आपमें विभिन्न आकर्षक विद्यमान है। आप मुक्त हस्त से धन का व्यय करते हैं। आप सदैव सहृदयता पूर्वक धन का कुछ अंश व्यय करने के लिए उद्यत रहते हैं। आप किसी भी प्रकार की करूण कथा सुन कर यदा कदा किसी को भी मुक्त हस्त से आर्थिक सहयोग करते हैं।

कुछ व्यक्ति आपकी इस प्रकार की उदारतापूर्ण व्यवहार एवं भाव वृद्धि को अनुपयुक्त समझकर आपको अज्ञानी समझते हैं। अतः आप इस प्रकार की उदारतापूर्ण प्रवृत्ति के प्रति अपने विचारों को मेड़ने की शिक्षा ग्रहण करें।

सभी मिला जुलाकर आप बहुत अच्छे एवं सौम्य व्यक्ति हैं। परन्तु यदा-कदा किसी भी सुअवसर पर आप अपने धैर्य की अवनति कर सकते हैं तथा आप प्रतिशोध ले सकते हैं। आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर भली प्रकार प्रतिरोध लगाना होगा। अन्यथा आपकी छवि पर कोई कलंक लग सकता है।

आप सौभाग्यवश शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं निरोग रहेंगे। आप अपनी

मध्यावस्था तक अपने शारीरिक वृद्धि की प्रवृत्ति के प्रत्ति विमुख रहें। उत्तम तो यह है कि आप अधिक भोजन पर अश्रित न रहें तथा भोजन पर नियंत्रण रखें। संप्रति आप किसी प्रकार के रोग से संक्रमित तथा अधीन हो सकते हैं। आप किडनी के रोग एवं मूत्र संबंधी रोग के प्रति सतर्क रहे। आपके लिए यह निर्देश है कि आप अपने घर पर अपने मित्रों के साथ कोई व्रण क्षत के शिकार हो सकते हैं। आपको इस बात के प्रति अनुभव अर्थात् पश्चात करना चाहिए कि बिना मित्र के सहयोग से आपके लिए दायित्व को पूरा करना सहज बात नहीं है।

आपके लिए सेवा व्यवसायों में उपयुक्त एवं प्रभावी कार्य सामाजिक जीवन का नेतृत्व अति अनुकूल प्रतीत होता है। आप गर्वनमेंट सेवक एवं अधिकारी के साथ लोक माध्यम का कार्य करें तो अच्छा है। यदि आप अनुमोदन करे तो आप स्वयं रासायनिक व्यवसाय तरल पदार्थों का व्यवसाय जैसे तेल-धृत आदि अथवा इसके अतिरिक्त आप विधिवेत्ता (वकील) अर्किटेक्ट विक्रय प्रतिनिधि, लेखक गायन वाद्य यंत्रवादक, पार्श्व गायक के साथ-साथ आप राजनीति से भी स्रोत स्थापित रख सकते हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट नारंगी एवं लाल रंग शुभकारक एवं भाग्यवर्द्धक है। आप पीला एवं हरे रंगों का त्याग कर दें।

आपके लिए अंको में 8 अंक उत्तम एवं धनोपार्जन अथवा धन निवेश हेतु अनुकूल है। साथ ही अंक 1, 2, 4 और 7 अंक सर्वथा अनुकूल है। परन्तु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल अंक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।